बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा - चतुर्थ **दिनांक -01-09-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक - पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ -11- क्रियाविशेषण के भेद के बारे में अध्ययन करेंगे।

लिखकर याद करें।

स्थानवाचक क्रियाविशेषण

- जो अविकारी शब्द किसी क्रिया के संपादित होने के स्थान का बोध कराते हैं, उन्हें स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

  जैसे- यहाँ, वहाँ, कहाँ, जहाँ, सामने, नीचे, ऊपर, आगे, भीतर, बाहर आदि।

  उदाहरण-

  श्रेया गोस्वामी वहाँ चल रही है। इस वाक्य में "वहाँ" चल क्रिया के व्यापार-स्थान का बोध करा रही है।

कालवाचक क्रियाविशेषण

- जो अविकारी शब्द किसी क्रिया के होने का समय बतलाते हैं, उन्हें कालवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।
- जैसे- परसों, पहले, पीछे, कभी, अब तक, अभी-अभी, बार-बार।
- मैं प्रतिदिन स्कूल जाता हूँ।

रीतिवाचक क्रियाविशेषण

-

- जो शब्द किसी क्रिया के करने के तरीके/रीति का बोध कराए, वह रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहलाते है।

- जैसे धीरे-धीरे,जल्दी,रोज़,आदि।

परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

- जो अविकारी शब्द किसी क्रिया के परिमाण अथवा निश्चित संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।
- जैसे- बहुत, अधिक,अधिकाधिक पूर्णतया, सर्वथा, कुछ, थोड़ा, काफ़ी, केवल, यथेष्ट, इतना, उतना, कितना, थोड़ा-थोड़ा, तिल-तिल, एक-एक करके, आदि।